(05)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए.	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-HLIT2T**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 2 नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे 3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।		
6	क्रेडिट मान	06		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई-1	**कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र:** 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ: कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	16
इकाई-2	**हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)** 1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	18

29.05.2021

29.05.21

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14-10-21 14.10.21 14.10.21

	टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैण्ड का परिचय। 1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं	
इकाई-3	**कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली** 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3 पदनाम एवं अनुभाग	16
इकाई-4	1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार: 1.1 आवेदन पत्र 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र- 1.3 कार्यालयीन आदेश 1.4 परिपत्र 1.5 अधिसूचना 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन 1.7 विज्ञापन 1.8 निविदा 1.9 संकल्प 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	20
इकाई-5	1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	20

29-05-2021

डॉ. [illegible]
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14/10/21 14-10-21 14.10.21 14.10.21

	- फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफार्म 1.4 ई-गर्वनेंस 1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन 1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर , ईमेल एवं अन्य-	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

संदर्भ ग्रन्थ-

1. सागर, रामचंद्र सिंह, ''कार्यालय कार्य-विधि'', आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, ''कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति'', समता प्रकाशन, दिल्ली 1991
3. ''प्रज्ञा पाठमाला'', राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉविनोद., ''प्रयोजनमूलक हिन्दी'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे दंगल, ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्वांत और प्रयोग'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉमाधव., ''प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005
8. जैन, डा.संजीव कुमार सं., ''प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग'', कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, ''कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग'', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल, संतोष, ''हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर'', श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, ''आधुनिक जनसंचार। और हिन्दी'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. द्विवेदी, संजय ''नए समय का संवादः सोशल नेटवर्किग'' , नेहा, पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
14. शुक्ल, सौरभ, '' नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज'' पब्लिकेशन्स, दिल्ली
15. कुमार, सुरेश, ''इन्टरनेट पत्रकारिता'', तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, ''कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि'', सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. सिंह, अजय कुमार, ''इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद 2014

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक
   1. www.wikipidiya.org
   2. www.egyankosh.ac.in
   3. www.youtube.com
   4. https://epgp.inflibnet.ac.in

29-05-2021

डॉ पुष्पा दुबे

अध्यक्ष

14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

हिन्दी साहित्य
बी.ए. प्रथम वर्ष

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: **प्रमाण पत्र**		कक्षा : **बी.ए.**	वर्ष:: **प्रथम वर्ष**	सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-HLIT1T**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**हिंदी काव्य** (प्रश्न पत्र 1)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	**कोर कोर्स**		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय में कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिन्दी काव्य की सुदीर्घ परम्परा से परिचित होंगे। 2 प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे। 3 विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे। 4 रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनायें मिलेगी।		
6	क्रेडिट मान	06		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई-I	**भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि** I **हिन्दी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि-** 1.1. काल विभाजन एवं नामकरण 1.2. आदिकाल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.3. आदिकालीन काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ 1.4. आदिकालीन कवि II **प्रमुख कवि-** **2.1 गोरखनाथ (व्याख्या एवं समीक्षा)** गोरखबानी सबदी- पद सं. 2, 4, 7, 8, 16 राग रामग्री पद 10, 11	16

14/10/21 14-10-21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

	2.2 चंदबरदाई (व्याख्या एवं समीक्षा) पृथ्वीराज रासो - कनवज्जा समय -कवित्त 144,145,146 2.3 विद्यापति (व्याख्या एवं समीक्षा)- पदावली- पद सं. 1, 49, 54, 55, 58	
इकाई-2	1 भक्तिकाल एवं प्रमुख कवि 1.1 भक्ति आंदोलनः सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2 काव्य धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ 1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुण कवि, भक्ति काल की प्रवृत्तियाँ 2 प्रमुख कवि- निर्गुण मार्गी 2.1 कबीरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) साखी- गुरुदेव को अंग- 1, 5, 7, 11, 13 विरह को अंग- 4, 10, 12, 20, 23 पद- • दुलहनीं गावहु मंगलचार • पंडित बाद बदंते झूठा • लोका मति के भोरा रे • बोलौ भाई राम की दुहाई 2.2 मलिक मोहम्मद जायसी (व्याख्या एवं समीक्षा) मानसरोदक खण्ड- पदसं. 1 से 3 3 प्रमुखकवि- सगुणमार्गी 3.1 सूरदास (व्याख्या एवं समीक्षा) पद सं. 21, 23, 25, 85 3.2 गोस्वामी तुलसीदास (व्याख्या एवं समीक्षा) अयोध्याकाण्ड- मागी नाव न केवटु आना । कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥ से बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल बरु देइ। (102 दोहा तक)	18
इकाई-3	1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद- रीतिसिदध	16

	रीतिबद्ध और रीतिमुक्त 1.3 रीतिकाल की प्रवृतियाँ 2 प्रमुख कवि 2.1 बिहारी (व्याख्या एवं समीक्षा) दोहा क्र. 1, 16, 18, 20, 21, 25, 27, 28, 37, 46 2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा) शिवा बावनी पद सं. 4, 25, 26 छत्रसाल दशक पद सं. 1, 7	
इकाई-4	1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि 1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिन्दी नवजागरण काल एवं प्रवृतियाँ 1.2 भारतेन्दु युगीन साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृतियाँ 2 प्रमुख कवि 2.1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (व्याख्या एवं समीक्षा) हिन्दी भाषा- निज भाषा उन्नति अहे, सब उन्नति को मूल (10 दोहे) 2.2 अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (व्याख्या एवं समीक्षा) काव्य- एक बूंद, मीठी बोली 2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा) कामायनी के श्रद्धा सर्ग से- "प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न बासी फूल..... से खिंची आवेगी सकल समृद्धि" तक का अंश 2.4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (व्याख्या एवं समीक्षा) जागो फिर एक बारः भाग 2, वह तोड़ती पत्थर 2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा) मैं नीर भरी दुख की बदली बीन भी हूँ मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूँ	20
इकाई-5	1 छायावादोत्तर काव्य धाराएँ एवं प्रमुख कवि 1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृतियाँ 1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृतियाँ 1.4 नईकविता, समकालीन कविता, प्रमुख प्रवृतियां	20

	2 प्रमुख कवि **2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा)** नदी के द्वीप, यह दीप अकेला **2.2 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (व्याख्या एवं समीक्षा)** मैं तुम लोगों से दूर हूँ, भूल गलती **2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा)** अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है **2.4 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा)** रोटी और संसद, बीस साल बाद **3 अभ्यास** 3.1 काव्यपाठ (सस्वर) 3.2 सुलेखन 3.3 शुद्धवाचन	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग, पुनर्जागरण, नवजागरण, समकालीन सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, काव्य प्रवृत्तियां

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

पांठ्य पुस्तकें –

1. सं. बड़थ्वाल, पीतांबरदत्त, ''गोरखबानी'' प्रकाशन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
2. दीक्षित, आनंद प्रकाश, ''विद्यापति पदावली'' साहित्य मंदिर प्रकाशन ग्वालियर
3. सं. दास, श्यामसुन्दर ''कबीर ग्रंथावली'' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
4. शुक्ल आचार्य रामचन्द्र'' ,जायसी ग्रन्थावली'' नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी
5. शुक्ल, आचार्य रामचन्द, ''भ्रमरगीत सार'' लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
6. गोस्वामी, तुलसीदास , ''श्रीरामचरितमानस'' गीता प्रेस गोरखपुर
7. रत्नाकर, जगन्नाथदास ,''बिहारी रत्नाकर'' रत्नाकर पब्लिकेशन वाराणसी
8. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद'' ,''भूषण ग्रंथावली'' साहित्य सेवक कार्यालय काशी
9. शर्मा, हेमंत, ''भारतेन्दु समग्र'' हिन्दी प्रचारक संस्था वाराणसी
10. शाही, सदानन्द ,''अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रचनावली'' वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
11. प्रसाद, जयशंकर ,''कमायनी'' लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
12. शर्मा, रामविलास, ''राग-विराग'' लोक भारती प्रकाशन इलाहबाद
13. वर्मा, महादेवी, ''परिक्रमा'' साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहबाद
14. पालिवाल, कृष्णदत्त, ''अज्ञेय रचनावली'' भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन नई दिल्ली
15. मुक्तिबोध, गजानन माधव, ''चाँद का मुँह टेढ़ा है'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
16. सिंह, नामवर, ''प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन'' राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
17. संपादक द्विवेदी ,हजारिप्रसाद "संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो" काशी विश्वविद्यालय, वनारस

संदर्भ ग्रन्थ-

1. डॉ. नगेंद्र, (संपा.), "हिंदी साहित्य का इतिहास", नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली, 1976
2. शुक्ल, रामचंद्र "हिंदी साहित्य का इतिहास", लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
3. तिवारी, रामचंद्र, "हिंदी गद्य का इतिहास", विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास", लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
5. सिंह नामवर "आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां", राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली, 2011
6. ओझा, डॉ. दुर्गा प्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, "छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं", प्रकाशन केंद्र लखनऊ
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, "आधुनिक हिंदी कविता", प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
8. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय सं.
9. भटनागर, डॉ. रामरतन, "प्राचीन हिन्दी काव्य", इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
10. द्विवेदी, हजारीप्रसाद,"हिन्दी साहित्य की भूमिका", हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
11. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, "विद्यापति: एक अध्ययन",भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली 1991
12. सिंह. डॉ. शिवप्रसाद, "विद्यापति", हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी,1957
13. वर्मा, रामकुमार, "संत कबीर साहित्य" भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
14. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, "कबीर", हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
15. वर्मा रामकुमार "कबीर का रहस्यवाद", साहित्य भवन, इलाहाबाद,1941
16. वर्मा, रामलाल, "जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व", भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
17. पाठक, शिवसहाय, "मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य", साहित्य भवन, इलाहाबाद
18. शर्मा मुंशीराम, "सूरदास का काव्य वैभव", ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965
19. किशोरीलाल, "सूर और उनका भ्रमरगीत", अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
20. वाजपेयी, नन्ददुलारे, "सूरसंदर्भ", इंडियन प्रेसलिमिटेड, प्रयाग
21. त्रिपाठी, रामनरेश, "तुलसीदास और उनकीकविता (भाग-1)", हिन्दीमंदिर, प्रयाग, 1937
22. दीक्षित राजपति, "तुलसीदास और उनका युग", ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
23. त्रिगुणायत, गोविन्द, "कबीर की विचारधारा", साहित्य निकेतन, कानपुर
24. उपाध्याय विशम्भर नाथ, "सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
25. डॉ. नगेन्द्र, "कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ", नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
26. शर्मा, रामविलास, "निराला की साहित्य साधना, भाग-2", राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली
27. गौड, राजेंद्रसिंह, "आधुनिक कवियों की काव्य साधना", श्रीराम, मेहता एंडसंस, आगरा, 1953
28. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, "हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
29. कुमारविमल, "छायावाद का सौन्दर्य-शास्त्रीय अध्ययन", राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली, 1970

4

30. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, "समकालीन हिन्दी कविता", राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, "अज्ञेय का रचनासंसार", राधाकृष्ण प्रकाशन, नयीदिल्ली
32. सिंह, विजयबहादुर, "नागार्जुन का रचनासंसार", सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982
33. अष्टेकर, "कटघरे का कवि धूमिल", पंचशील प्रकाशन, जयपुर
34. नवल, नंदकिशोर, "मुक्तिबोध", साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
35. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, "आत्म संघर्ष की कविता मुक्ति बोध", मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
36. सिंह, शम्भूनाथ, "छायावादयुग", सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
36. अज्ञेय, "दूसरा सप्तक", प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
38. बिसारिया, डॉ. पुनीत, "प्राचीन हिन्दी काव्य", श्रीनटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007
39. सिंह, डॉ. उदयप्रताप, "नाथपंथ और गोरखबानी", आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली 2011

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. www.wikipidiya.org
2. www.egyankosh.ac.in
3. www.youtube.com
4. https://epgp.inflibnet,ac.in
5. **hindiwi.org**
6. **kavitakosh.org**
7. **https://swayam.gov.in/**

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: https://swayam.gov.in/

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक :25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

17.08.2021
डॉ. [illegible]
अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल
हिन्दी साहित्य

14.10.21 14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

हिन्दी साहित्य
बी.ए. द्वितीय व
(5) I Pape

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2020-2021
सत्र –2020–21

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
Title of paper	:	**Arvacheen Hindi kavya**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 निर्धारित कवियों की रचनाओं से व्याख्यांश

1. मैथिलीशरण गुप्त	–भारत भारती (भविष्यत् खंड से शिक्षा एवं आशा)
2. जयशंकर प्रसाद	–कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	–राम की शक्तिपूजा
4. महादेवी वर्मा	–मैं नीर भरी दुख की बदली, बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं
5. रामधारी सिंह दिनकर	–कुरूक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)
6. सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	–असाध्य वीणा
7. गजानन माधव मुक्तिबोध	–ब्रह्मराक्षस
8. नागार्जुन	–बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं महादेवी से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध एवं नागार्जुन सें एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियॉं– भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा , छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ– माखनलाल चतुर्वेदी, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14-10-21 14-10-21 14.10.21

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन–

खण्ड अ–वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =9 अंक
खण्ड स–दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्या (दस–दस अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	10 X 2 =20 अंक
	कुल अंक 50

टीप– **दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।**

निर्धारित पुस्तकः **अर्वाचीन हिन्दी काव्य –म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जायेगी।**

II Paper.

(7)

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2020-2021
सत्र –2020–21

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र.	:	**द्वितीय**
Title of paper/	:	**Hindi Bhasha Evam Sahitya Ka Itihas aur Kavyang Vivechan**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं इतिहास, अपभ्रंश, अवहट्ठ एवं आरंभिक हिन्दी के व्याकरणिक और व्यावहारिक रूप। हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ एवं उनका अन्तःसंबंध, मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। उन्नीसवीं सदी में खड़ी बोली का विकास। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।

इकाई–2 भारत संघ की राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी का विकास, हिन्दी भाषा के विविध रूप, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा, हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास, हिन्दी भाषा का मानक रूप। मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना, नागरी लिपि का विकास, नागरी लिपि का मानकीकरण एवं उसके सुधार के प्रयत्न।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा एवं काल विभाजन। आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की साहित्यिक प्रवृत्तियॉं एवं प्रमुख कवि।

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य का विकास –उपन्यास, कहानी, नाटक, रंगमंच, आलोचना एवं अन्य गद्य विधाएं, आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण कवि– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता ।

इकाई–5 **काव्यांग विवेचन** –रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा , सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14-10-21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल दो टिप्पणियॉ कमशः)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक **। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
अंक विभाजन–

खण्ड अ –	1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (दस–दस अंकों की कुल 2 टिप्पणियां)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः हिन्दी भाषा – साहित्त्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

हिन्दी साहित्य
बी.ए. III वर्ष
I Paper

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2021-2022
सत्र 2021–2022

Class/कक्षा	: B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	: हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	: **प्रथम**
Title of paper/	: **Prayojanmoolak Hindi**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: प्रयोजनमूलक हिन्दी
Max.Marks /अधिकतम अंक	: 40 नियमित
	50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप , कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध रूप। कम्प्यूटर : परिचय एवं रूपरेखा, वर्ड प्रोसेसिंग (एम.एस वर्ड), डाटा प्रोसेसिंग, यूनिकोड, हिन्दी के अधुनातन सॉफ्टवेयर टूल।

इकाई–2 पत्राचारः कार्यालयीन पत्र एवं व्यावसायिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई–3 अनुवादः स्वरूप एवं प्रकिया। अनुवाद के प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक, तकनीकी ,वाणिज्यिक, विधिक, आशु अनुवाद । हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई–4 पत्रकारिताः स्वरूप एवं समाचार लेखन। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पृष्ठ–सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण, पटकथा लेखन एवं फीचर लेखन।

इकाई–5 प्रमुख संचार माध्यम– रेडियो ,टीवी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि, ई–मेल ।

14.10.21 14/10/21 14.10.21 14-10-21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ	– वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल 02 टिप्पणियॉं क्रमशः)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ	– वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– टिप्पणी – (दस–दस अंकों की कुल 02 टिप्पणियां)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे ।

निर्धारित पुस्तकः प्रयोजनमूलक हिन्दी म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

II Paper

(11)

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2021-2022

सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bundeli Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांश:

क. नाटक–

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

कविता क्या है (पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारीप्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. बुन्देली भाषा–साहित्य

ईसुरी, जगनिक', माधव शुक्ल 'मनोज' एवं संतोष सिंह बुन्देला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन एवं निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बुन्देली भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटककार–लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।
(ख) गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं. भैयालाल व्यास एवं डॉ.दुर्गेश दीक्षित पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब–व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः 'हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

13

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2021-2022

सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र **(ब)**
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bagheli Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं **बघेली** भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः

क. नाटक–

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

'कविता क्या है'(पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. बघेली भाषा–साहित्य'

सैफुद्दीन सिद्दकी सैफू, अमोल बटरोही एवं 'शिवशंकर मिश्र "सरस" की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन एवं निर्धारित निबंधो से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बघेली भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटकककार–लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय
(ख) रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दाहिया, मैथिलीशरण शुक्ल 'मैथिली' एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14-10-21 14.10.21

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः 'हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बघेली भाषा–साहित्य' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

K. Singh 14/10/21

14.10.21

14.10.21

14.10.21

14.10.21

14.10.21

14.10.21

14.10.21

15

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
Session 2021-22
सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र (स)
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Malvi Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं **मालवी** भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांश:

क. **नाटक–**

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

कविता क्या है (पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. **मालवी भाषा–साहित्य**

संत पीपा , आनंदराव दुबे, बालकवि बैरागी एवं नरहरि पटेल, की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन एवं निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा,यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **मालवी भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटकककार–लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय।
(ख) मदनमोहन व्यास, हरीश निगम, मोहन सोनी, शिव चौरसिया एवं श्री निवास जोशी पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक,. आन्तरिक मूल्यांकन 05 अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 10 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः "हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं मालवी भाषा–साहित्य" म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

14/10/21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21 14.10.21